दीपा इंटरप्राइजेज' में चोरी....

पेज तीन का शेष

बिठाकर रखा जाता जिससे वे अपनी ड्यूटी न जा पाएं. 21 ता को उन्हें जब फिर से थाने बुलाया गया तो उन्होंने क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा से संपर्क किया.

21 अक्तूबर को आज़ाद नगर बस्ती के लगभग 20 मज़दूर जिनमें उमेश की मां लालती जी और उनकी बहनें भी शामिल थीं, क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा के नेताओं के साथ मुजेसर थाने पहुंचे और इस मामले की छान-बीन कर रहे ए एस आई सुरेन्द्र सिंह से मिले. फरीदाबाद से प्रकाशित प्रतिष्ठित 'मज़दूर मोर्चा' के पत्रकार शेखर दास भी कुछ ही समय बाद मुजेसर थाना पहुंचे और पीड़ित उमेश व उनके परिवार से पूरी घटना की असलियत जानी तथा एएसआई सुरेंदर सिंह से भी बात की. सवाल जो फरीदाबाद के मज़दूर पूछ रहे हैं और जो मुजेसर थाना पुलिस को पूछने चाहिए थे.

1) मालिक के अनुसार, 2,90,000 रुपये की चोरी, फैक्ट्री की दीवार लांघकर, दफ्तर की खिड़की तोड़कर, मेज की दराज़ का ताला तोड़कर, 9 अक्तूबर, रविवार की रात हुई. ये पैसा उसने मज़दूरों को दीवाली बोनस का भुगतान करने के लिए बैंक से निकाला था. क्या वह कंपनी अपने 100 से भी ज्यादा मज़दूरोंको भुगतान नक़द करती है? इस तथ्य को मज़दूरों और कंपनी के खाते से जांचा जा सकता है. यदि हाँ, तो ये कृत्य नियम विरुद्ध है. सरकारी निर्देश हैं कि मज़दूरों को भुगतान हमेशा उनके खाते में ट्रान्सफर अथवा चेक द्वारा ही किया जाना चाहिए. मालिक के विरुद्ध कानून संवत कार्यवाही की जाए.

2) अगर मज़दूरों को भुगतान करना था जैसा, मालिक दावा कर रहे हैं, तो कौन इतना मुर्ख मालिक होगा कि रोकड़ा रविवार से पहले बैंक से निकाल कर रखेगा, जिससे रविवार को चोरी हो सके!! बैंक से रक़म छुट्टी के दिन से पहले निकालने की क्या वज़ह थी.

3) कंपनी में सी सी टी वी कैमरे कब से बंद पड़े थे? क्यों बंद पड़े थे? क्या उसी वक़्त से बंद पड़े जब पैसा मेज की दराज़ में रखे गए!! क्या इसके लिए मालिक को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए?

4) सुरक्षा गार्ड चोरी के वक़्त सोया हुआ था. चोरों ने फैक्ट्री की दीवार लांघी, दफतर की खिड़की तोड़ी, दराज़ का ताला तोडा और वो नहीं जागा. फिर भी मालिक को उससे कोई शिकायत नहीं!! पुलिस ने भी उससे, उमेश जैसी पूछताछ करनी ज़रूरी नहीं समझी. कुछ मज़दूर फैक्ट्री में ही सोते हैं, उनसे भी कोई पूछताछ नहीं, मालिक को भी उन पर कोई शक नहीं!! ये दरियादिली है या कुछ और?

5) उमेश 2 साल पहले इस कंपनी से काम छोड़ चुके हैं. मालिक कहता है कि उमेश को ही सब मालूम था कि पैसा कहाँ रखा जाता है. 'उसे हमने कहाँ से कहाँ पहुँचाया!!' पिछले 2 साल में, क्या पैसा कहाँ रखा जाता है, ये किसी को मालूम नहीं था!! क्या दो सालों में पैसे का कोई लेन-देन नहीं हुआ? किसी और से, कोई भी पूछताछ करने की ज़रूरत मालिक या पुलिस को क्यों नहीं हुई? क्या मालिक द्वारा इस कार्यवाही और उनके कथन में ये दर्द नहीं झलक रहा कि उमेश, जो एक ज़िम्मेदार मज़दूर थे, सारा काम संभालते थे, 5 साल की नोकरी में उन्होंने अपने दामन पर कोई दाग नहीं लगने दिया; उनकी कंपनी क्यों छोड़ गए? क्यों ना उन्हें सबक़ सिखाया जाए? मज़दूरों को दीवाली बोनस ना देने का बहाना भी मिल जाएगा.

क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा ने, मज़दूरों को संबोधित करते हुए और ए एस आई सुरेंदर सिंह से बातचीत के दौरान कहा है कि उनका मक़सद अपराधी को बचाना बिलकुल नहीं है. अगर पुलिस के पास पुख्ता सबूत हैं तो वह उमेश के साथ जो कानूनी कार्यवाही बनती है, वह करे. उसमें कोई बाधा पहुँचाने का उनका कोई इरादा नहीं है. लेकिन, पुलिस, मालिक द्वारा की गई शिकायत की कॉपी खुद आरोपी को भी देने से मना कर रही है, ये भी स्वीकार कर रही है कि उनके पास उमेश के विरुद्ध सबूत नहीं हैं, ये भी स्वीकार कर रही है कि उमेश के साथ मारपीट की गई और आगे भी की जाएगी, 'थोडा टॉर्चर तो करणा ई पड़ै'!! ये अन्याय और दमन- उत्पीड़न बिलकुल सहन नहीं किया जाएगा. पुलिस द्वारा उमेश के साथ की गई मार-पिटाई के विरुद्ध समूचे औद्योगिक क्षेत्र के मज़दूर आक्रोशित हैं.

क्या भारतीय रुपए पर श्रीमान 420 लिखने से काम चल जायेगा?

केजरीवाल ने गरीबी हटाने का नुस्खा बताया: नोट पर लक्ष्मी, गणेश की तस्वीर छापी जाये

मुख्यमंत्री यदि सफाई कर्मचारियों को नहीं सुन सकते हैं तो कुर्सी छोड़ दें : सुरेश गुप्ता

कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ने हड़ताली सफाई और दमकल कर्मचायियों के बीच पहुंच कर समर्थन दिया

करनाल। पिछले लंबे समय से हडताल कर रहे नगरनिगम के सफाई और दमकल कर्मचारियों को कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कांग्रेस की तरफ से समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि करनाल के विधायक मनोहर लाल को नगरनिगम के सफाई और दमकल कर्मचारियों से मिलने में क्या परेशानी हैं? क्या वह करनाल के विधायक नहीं हैं?

उन्होंनें कहा कि वह ठेकादारी प्रथा के खिलाफ हैं। यह प्रथा कर्मचारियों के शोषण का रास्ता खोलती हैं। इस अवसर पर सफाई कर्मचारियों ने बताया कि सरकार उनकी मागों के प्रति उदासीन है। दो बार की बातचीत के बाद भी कोई निदान नहीं निकला हैं। अब सरकार जबरदस्ती पर उतर आई हैं। वह डरने वाले नहीं है। इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी प्रधान सुरेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार जुमलें को छोडने में माहिर हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल यदि लोगों की बात नहीं सुन सकते हैं। तो अपने त्यागपत्र दें। भाजपा जहां भगवान राम को पूज्यनीय मानती हैं वहीं सरकार बाल्मीकि लोगों पर

अत्याचार कर रही हैं। वह कांग्रेस की तरफ से समर्थन देने के लिए आए हैं। इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जोगिंदर वाल्मीकि ने कहा कि कांग्रेस समर्थन में कर्मचारियों के साथ तमाम लड़ाई लड़ेगी। सफाई कर्मचारी किसी के आगे नहीं झुकेंगे। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के डीआरओ सुखराम बेदी, संजीव काम्बोज,सर्व कर्मचारी संघ के नेताओं के साथ सफाई कर्मचारी संघर्ष समिति के सदस्य और दमकल कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

33 हड़ताली कर्मचारी गिरफ्तार

करनाल (के सी आर्य) 74 कर्मचारियों पर केस दर्ज 32 को किया गिरफ्तार कोर्ट में पेश नही ली जमानत हरियाणा की नगर पालिकाओं के सफाई कर्मचारी बीते 8 दिनों से हड़ताल पर बैठे हैं। हड़ताल से करनाल में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। प्रदर्शनकारी कर्मचारी ना तो खुद कचरा उठा रहे हैं और न ही किसी को कचरा उठाने दे रहें। बुधवार दोपहर बाद सफाई कर्मचारियों ने सेक्टर 12 निगम कार्यालय से जिला सचिवालय तक प्रदर्शन किया और सड़क पर धरना दे दिया। दूसरी और करनाल में चरमराई सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी भी कर्मचारियों को लेकर मैदान में उतर रहे हैं, लेकिन उन्हें प्रदर्शनकारी कर्मचारियों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के दो स्थानों से देर रात पुलिस ने 33 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया। जिनमें से कुछ कर्मचारियों को छोड़ दिया गया था। जबकि कुछ कर्मचारी पुलिस की हिरासत में हैं, कर्मचारी किसी भी सूरत में पीछे हटने को तैयार नहीं है। इनका कहना है कि जब तक जब तक सरकार उनकी मांगें नहीं मानेगी, चाहे कोई भी स्थिति पैदा हो वे कूड़ा नहीं उठाने देंगे।

सैंकड़ो महिलाओं सहित सफ़ाई कर्मचारियों ने जिला सचिवालय का गेट पर पहले प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस व जिला प्रशासन ने उनको अंदर बातचीत के लिए नहीं बुलाया उन्होंने लघु सचिवालय के सामने मेन रोड पर जाम लगा दिया । प्रदर्शन करने पहुँचे सफाई कर्मचारियों ने कहा, जिन कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है उनकी रिहाई के लिए आज जिला सचिवालय पर प्रदर्शन करने पहुँचे है। प्रदर्शन करने पहुँचे कर्मचारियों ने कहा सरकार या तो पुलिस हमारे साथियों को रिहा करे ,नही तो हमे भी गिरफ्तार किया जाए।

फिलहाल सरकार और सफाई कर्मचारियों की लड़ाई के बीच मे आम लोगो को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शहर की आबोहवा काफी बिगड़ चुकी है। शहर में जगह-जगह पर कूड़े के ढेर लगे हुए है। अब देखना होगा सरकार आखिर कब तक कर्मचारियों की मांगों को लटकाये रखती है।

करनाल वासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
hp Canon EPSON EXCEED YOUR VISION
PRINTING WORLD
Quality, Commitment, Services
Printer Repairing, All-in-One & Laserjet, Original Cartridges Inkjet & Laser printer, Compaitble Cartridge, Cartridges Refilling, Scanners
Shop No. 7A, Aggarwal Dharamshala Market, Railway Road, Karnal
E-mail : hpprintingworld@gmail.com
Viren Bhatia : 93542-10092, 86076-10092, 0184-4020755

करनाल वासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

Rakesh Nagpal
Ex chairman improvement Trust